



epaper.vaartha.com



9440297101

वर्ष-29 अंक : 96 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टनम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ कृ. 7 2081 शुक्रवार, 28 जून-2024

**सुरक्षा बलों ने चलाया तलाशी अभियान**  
**भारी मात्रा में गोला-बरूद बरामद**  
 इंफाल, 27 जून (एजेंसियां)। मणिपुर के पर्वी इंफाल और बिष्णुपुर जिलों के कुछ हिस्सों में सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने भारी मात्रा में हथियार और गोला बरूद बरामद किया। इस दौरान उन्होंने नेतृत्व वाली नवनिर्वाचित सकार की प्राथमिकताओं को सामने रखा। 18वीं लोकसभा के गठन के बाद संसद की संस्कृत बैठक में सुरु का यह पहला संविधान है। नई लोकसभा का पहला सत्र गत समवाय को शुरू हुआ था। इसके अलावा राज्यसभा का 26वां सत्र 27 जून से शुरू होगा।

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये



Premium ka Pappa

Contact for Trade Inquiry +91 99368 22695



artwares

## राष्ट्रपति ने आपातकाल को बताया संविधान का काला अध्याय

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्वारा पूर्वी मूर्ख ने लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नेरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली नवनिर्वाचित सकार की प्राथमिकताओं को सामने रखा। 18वीं लोकसभा के गठन के बाद संसद की संस्कृत बैठक में सुरु का यह पहला संविधान है। नई लोकसभा का पहला सत्र गत समवाय को शुरू हुआ था। इसके अलावा राज्यसभा का 26वां सत्र 27 जून से शुरू होगा।

अग्रे संबोधन में राष्ट्रपति कि आपातकाल पर कराया हमला बोला। उन्होंने कहा कि आगे वाले कछ महीनों में भारत एक गणतंत्र के रूप में 75 वर्ष पूरे करने जा रहा है। भारतीय संविधान ने वीरे दशकों में हर चुनौती और कठोरी पर खार तरा है। देश में संबोधन लागू होने के बाद भी संविधान पर कई हमले हुए हैं। 25 जून 1975 का लागू किया गया आपातकाल संविधान पर सीधा हला था।

जब इस लागू गया तो पूरे देश में हाहाकार मच गया था, लेकिन देश में ऐसी असंविधानिक ताकतों पर जियां प्राप्ति की है। मेरी सरकार भी भारतीय संविधान को सिफेर शासन का माध्यम नहीं बना सकती। हम अपने संविधान को जनतेना का हिस्सा बनाने का प्रयास कर रहे हैं। इसी के साथ मेरी सरकार ने 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाना शुरू किया है। हमारे जमू-कशीर में संविधान पूरी तरह लागू किया गया था, जहां अनुच्छेद 370 के कारण स्थिरता अलग थी।

उन्होंने कहा कि मैं 18वीं लोक सभा के सभी नव निर्वाचित सदस्यों को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। आप सभी यहां देश और अनेक दशकों के विश्वास जीतकर आए हैं।



जनसेवा का ये सौभाग्य बहुत कम लोगों को मिलता है। मुझे पूरा विश्वास है कि आप राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ अपना दायित्व निभायें। 140 करोड़ लोकसभायों की आकाशकांडों की पूरी ताकि का माध्यम होना। उन्होंने कहा कि ये दुनिया के तीसरी बार स्थिर और स्थैन्य बहुत की भावना बनाई है। छह दशक बाद एसा था। अतीव 64 करोड़ मतदाताओं ने उत्साह और उमंग के साथ अपना कर्तव्य निभाया है। इस बार भी आकाशकांडों के सौंचे स्तर पर हैं, लोगों ने मेरी सरकार पर लगातार तीसरी बार भरोसा जाता है।

‘राज्य के विकास से देश का विकास’ उन्होंने कहा कि मेरी सरकार का मत है कि दुनिया को आकर्षित करने के लिए

राज्यों में स्वस्थ स्पर्धा हो। यही कंपनीटिव को-ऑपरेटिव फेडरलिज्म की सच्ची स्पिरिट है। राज्य के विकास से देश का विकास, इसी भावना के साथ हम अगे बढ़ते रहें।

‘दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था’

उन्होंने कहा कि सुधार, प्रसरण और परिवर्तन के संकल्प ने आज भारत की दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना दिया है। 10 साल में भारत 11वें नंबर की अर्थव्यवस्था से ऊपर उठकर पांचवें नंबर पर पहुंचा है। साल 2021 से लेकर साल 2024 के बीच भारत ने और औसतन 8 प्रतिशत की रसायन से विकास किया है।

‘विनियमन, सेवाएं और कृषि को बाबार महत्व’

उन्होंने कहा कि मेरी सरकार अर्थव्यवस्था के तीनों संस्थानों नंबर पर पहुंचा है। साल 2021 से लेकर साल 2024 के बीच भारत ने और औसतन 8 प्रतिशत की रसायन से विकास किया है।

‘प्रियंका, सेवाएं और कृषि को बाबार महत्व’

उन्होंने कहा कि मेरी सरकार अर्थव्यवस्था के तीनों संस्थानों नंबर पर पहुंचा है। साल 2021 से लेकर साल 2024 के बीच भारत ने और औसतन 8 प्रतिशत की रसायन से विकास किया है।

‘प्रियंका, सेवाएं और कृषि को बाबार महत्व’

उन्होंने कहा कि मेरी सरकार अर्थव्यवस्था के तीनों संस्थानों नंबर पर पहुंचा है। साल 2021 से लेकर साल 2024 के बीच भारत ने और औसतन 8 प्रतिशत की रसायन से विकास किया है।

‘किसानों को 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि द्वारा दायर करें’

राष्ट्रपति ने कहा कि किसान अपने छोटे खर्चे पूरे कर सकें, इसके लिए प्रीएस किसान समाजनी निधि के तहत उन्हें 3 लाख 20 हजार करोड़ रुपये से संसाइज़ संकर्स को भी मिशन मोड पर बढ़ावा दिया जाएगा।

‘किसानों को 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि द्वारा दायर करें’

राष्ट्रपति ने कहा कि किसान अपने छोटे खर्चे पूरे कर सकें, इसके लिए प्रीएस किसान समाजनी निधि के तहत उन्हें 3 लाख 20 हजार करोड़ रुपये से संसाइज़ संकर्स को भी मिशन मोड पर बढ़ावा दिया जाएगा।

‘किसानों को 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि द्वारा दायर करें’

राष्ट्रपति ने कहा कि किसान अपने छोटे खर्चे पूरे कर सकें, इसके लिए प्रीएस किसान समाजनी निधि के तहत उन्हें 3 लाख 20 हजार करोड़ रुपये से संसाइज़ संकर्स को भी मिशन मोड पर बढ़ावा दिया जाएगा।

‘किसानों को 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि द्वारा दायर करें’

राष्ट्रपति ने कहा कि किसान अपने छोटे खर्चे पूरे कर सकें, इसके लिए प्रीएस किसान समाजनी निधि के तहत उन्हें 3 लाख 20 हजार करोड़ रुपये से संसाइज़ संकर्स को भी मिशन मोड पर बढ़ावा दिया जाएगा।

‘किसानों को 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि द्वारा दायर करें’

राष्ट्रपति ने कहा कि किसान अपने छोटे खर्चे पूरे कर सकें, इसके लिए प्रीएस किसान समाजनी निधि के तहत उन्हें 3 लाख 20 हजार करोड़ रुपये से संसाइज़ संकर्स को भी मिशन मोड पर बढ़ावा दिया जाएगा।

‘किसानों को 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि द्वारा दायर करें’

राष्ट्रपति ने कहा कि किसान अपने छोटे खर्चे पूरे कर सकें, इसके लिए प्रीएस किसान समाजनी निधि के तहत उन्हें 3 लाख 20 हजार करोड़ रुपये से संसाइज़ संकर्स को भी मिशन मोड पर बढ़ावा दिया जाएगा।

‘किसानों को 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि द्वारा दायर करें’

राष्ट्रपति ने कहा कि किसान अपने छोटे खर्चे पूरे कर सकें, इसके लिए प्रीएस किसान समाजनी निधि के तहत उन्हें 3 लाख 20 हजार करोड़ रुपये से संसाइज़ संकर्स को भी मिशन मोड पर बढ़ावा दिया जाएगा।

‘किसानों को 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि द्वारा दायर करें’

राष्ट्रपति ने कहा कि किसान अपने छोटे खर्चे पूरे कर सकें, इसके लिए प्रीएस किसान समाजनी निधि के तहत उन्हें 3 लाख 20 हजार करोड़ रुपये से संसाइज़ संकर्स को भी मिशन मोड पर बढ़ावा दिया जाएगा।

‘किसानों को 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि द्वारा दायर करें’

राष्ट्रपति ने कहा कि किसान अपने छोटे खर्चे पूरे कर सकें, इसके लिए प्रीएस किसान समाजनी निधि के तहत उन्हें 3 लाख 20 हजार करोड़ रुपये से संसाइज़ संकर्स को भी मिशन मोड पर बढ़ावा दिया जाएगा।

‘किसानों को 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि द्वारा दायर करें’

राष्ट्रपति ने कहा कि किसान अपने छोटे खर्चे पूरे कर सकें, इसके लिए प्रीएस किसान समाजनी निधि के तहत उन्हें 3 लाख 20 हजार करोड़ रुपये से संसाइज़ संकर्स को भी मिशन मोड पर बढ़ावा दिया जाएगा।

## लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से राहुल गांधी की मुलाकात

> सदन में ‘आपातकाल’ पर बयानबाजियों पर जताई नाराजगी









## जपाबदेही का दबाव

10 साल बाद लोकसभा में विपक्ष का नेता मिला है वह भी राहुल गांधी के रूप में। जाहिर है यह संसदीय राजनीति के लिए जरूरी भी था। अब राहुल गांधी को तय करना है कि विपक्ष की नुमाइंदगी का मतलब यह कदापि नहीं है कि वह हर मामले में सत्ता पक्ष के खिलाफ बाहें चढ़ाने लगे। जिम्मेदारी मिलने के बाद अब उन्हें यह तय करना है कि वह हमेशा जनता के वह मुद्दे उठाएं जो जनहित में जरूरी हो। बता दें कि संसदीय प्रणाली में सरकार के साथ ही विपक्ष पर भी जवाबदेही का दबाव बढ़ता है। इसलिए दोनों को संतुलित सोच-विचार के साथ आगे बढ़ना होगा, तभी देशवासियों का भला हो सकेगा। बता दें कि लोकसभा चुनाव परिणामों के बाद से ही कांग्रेस के भीतर से मांग उठने लगी थी कि राहुल को नेता प्रतिपक्ष का पद संभालना चाहिए। पार्टी अध्यक्ष पद छोड़ने के बाद से राहुल के पास कांग्रेस की कोई जिम्मेदारी नहीं थी। सदन के भीतर पहली बार वह कोई संवैधानिक पद संभाले हैं। ऐसे में राहुल के सामने चुनौती होगी कि वह किस तरह पूरे विपक्ष को साथ लेकर चलते हुए रचनात्मक विरोध की भूमिका को आकार देते हैं। नेता प्रतिपक्ष के रूप में वह कई प्रमुख समितियों और महत्वपूर्ण नियुक्तियों में सहभागी रहेंगे। इससे यह भी जाहिर है कि पिछले 10 बरसों से यह पद खाली होने के चलते संसद ने क्या खोया। लेकिन, यह पद इन समितियों और नियुक्तियों तक सीमित नहीं है। नेता प्रतिपक्ष को शैडो पीएम भी कहा जाता है। वह सरकार के मुखिया पीएम की परछाई को तरह होता है, वह उनके हर काम पर नजर रख सकते हैं। जैसा कि होता आया है राजनेता जनादेश के बाद चुनावी दौर की सारी कड़वाहट को भुलाते हुए जनहित में मिलकर काम करते रहे हैं। इस बार भी चुनाव में अपनी-अपनी पार्टियों के पक्षों की

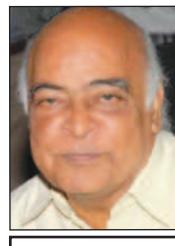
अगुआई करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी और राहुल गांधी ने एक-दूसरे पर खूब हमले बोले। वे बातें पुरानी हा गई, अब उन्हें पीछे छोड़ते हुए बेहतर तालमेल के साथ दोनों ही नए दौर की कहानी लिखें। कई मामले होते हैं जहां सरकार और विपक्ष की सहमति जरूरी होती है। बेहतर होगा कि उन स्थितियों में फैसला राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर लिया जाए। राहुल गांधी को धोषित तौर पर विपक्षी गठबंधन ईडिया का नेता नहीं चुना गया था, लेकिन इसमें किसी को शक नहीं कि विपक्ष का असली चेहरा वही थे। चुनाव के दौरान विपक्ष के सारे दलों को एकजुट रखने के लिए उन्होंने भरपूर प्रयास किए। परिणामस्वरूप चुनाव का असर राहुल गांधी के पक्ष में रहा, जिसकी बजह से उन्हें नेता प्रतिपक्ष बनने का मौका मिला। नेता प्रतिपक्ष के तौर पर राहुल गांधी केवल कांग्रेस ही नहीं, उन सभी दलों का प्रतिनिधित्व करेंगे, जो इन चुनावों में सरकार के खिलाफ उतरे थे। चुनौती न केवल सदन में विपक्षी दलों की भूमिका को अधिकाधिक प्रभावी बनाने की होगी बल्कि इस प्रभाव का सही दिशा में और उपयुक्त लक्ष्यों के लिए सर्वश्रेष्ठ इस्तेमाल सुनिश्चित करने की भी है। इसमें राहुल गांधी कितने सफल होते हैं यह तो भविष्य ही बताएगा।

## भारतीय संसद में जय फिलीस्तीन पर विपक्ष का मौन समर्थन घातक

जहाँ भारत विश्व के देशों में अपनी अलग पहचान स्थापित करने, विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने, विकसित राष्ट्र तथा विश्व गुरु बनने के लिए लगातार प्रयासरत है, वही देश के ही नेता अपनी गंदी सोच व मानसिकता से विश्व में भारत का नाम खराब करने से नहीं चूक रहे हैं। ये ऐसे नेता हैं जिनको लाखों लोगों ने अपना वोट देकर संसद इसलिए भेजा है कि वे देश के विकास में अपनी अहम भूमिका निभाएंगे लेकिन तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले तथा गंदी सोच रखने वाले नेता जीतने के बाद जैसे मतदाताओं के मत की कीमत को समझते नहीं और खुद को ही सब कुछ मानकर मनमानी कार्य करते हैं। कुछ लोग बोलने की स्वतंत्रता के नाम पर देश की मर्यादा, संस्कृति, सम्मान और संस्कार को भी भूल जाते हैं और मात्र कुछ लोगों को खुश करने के लिए ऐसा कार्य करते हैं जिससे उनकी जगह साई होती है

लेकिन ऐसे नेताओं को क्या पड़ी है देश की संस्कृति और इज्जत से. उनको तो केवल तुष्टिकरण की राजनीति करके देश को तोड़ने में ही मजा आता है।

18वीं लोकसभा के शपथ ग्रहण के दौरान देश के कुछ नेताओं ने भारत की छवि को धूमिल करके अपने अंदर भारत के प्रति छिपी सोच को भी उजागर कर दिया। कहने को तो हैदराबाद से पांचवीं बार संसद चुने गये अससुन्दीन ओवैसी एक शिक्षित मुस्लिम नेता है, ओवैसी अपने कटूरता के लिए जाने जाते हैं और इसी वजह से हमेशा सुर्खियों में बने रहने के कारण फालतू बयान देकर देश को कमज़ोर करने की फिराक में रहते हैं लेकिन ओवैसी ने अपनी गंदी सोच और मानसिकता का सबसे वीभत्स उदाहरण तब पेश किया जब उसने भारतीय संसद में शपथ ग्रहण के दौरान 'जय भारत' की जगह पर 'जय फिलीस्तीन' का नारा लगा दिया। सत्ता पक्ष के लोग तो थोड़ा असहज देखे गये, कुछ ने विरोध किया लेकिन अपने कार्यों के माध्यम से एक उदाहरण पेश किया और विश्व के तमाम विद्वान राम के बारे में तमाम रिसर्च कर रहे हैं, वही दो कौड़ी के नेता अपनी तुष्टिकरण की राजनीति के चक्कर में भाजपा और नरेन्द्र मोदी का विरोध करते करते भगवान श्री राम का भी विरोध करने में लग गये हैं। भारतीय संसद में जिस तरह ओवैसी ने जय फिलीस्तीन का नारा लगा दिया, वैसे ही कोई अब जय पाकिस्तान, जय खालिस्तान, जय आतंकवाद समेत कोई भी नारा लगा सकता है और इसे बोलने की आजादी के डिब्बे में डालकर भुला दिया जाये। यदि ओवैसी के खिलाफ भारतीय संसद या माननीय न्यायालय सदस्यता रद्द करने तथा राष्ट्रदोष का मुकदमा नहीं चलाती तो देश विरोधी सोच रखने वाले ऐसे ही देश की संसद तथा विधानसभाओं में ऐसे ही नारा लगाते रहेंगे। ओवैसी द्वारा लगाये गये नारे जय फिलीस्तीन को हटाने मात्र से कुछ नहीं होगा।



## अशोक भाटिया

# पहले मणिपुर जाना चाहिए प्रधानमंत्री को !

हाल ही में अख्खारों में छपे समाचारों के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले महीने रूस का दौरा कर सकते हैं। जानकारी के मुताबिक उनकी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बैठक होनी है। रूस और यूक्रेन के बीच शुरू हुए युद्ध के बाद ऐसा लगाने का फैसला किया था और ओपन मूवमेंट सिस्टम को समाप्त कर दिया था। भारत के पूर्वोत्तरी हिस्से के चार राज्यों- अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय और नागालैंड की सीमा म्यांमार के साथ लगती है। अब तक इधर के लोग म्यांमार की सीमा में और वहां के लोग भारतीय सीमा में बिना किसी रोकटोक के आते जाते थे। कूकी-जो समुदाय के लोगों ने रैली के बाद मणिपुर हिंसा के राजनीतिक समाधान की मांग करते हुए एक

प्रधानमंत्री मोदी रूस जाएंगे। ऐतिहासिक कार्यकाल हासिल की पहली रूस यात्रा भी होगी। कुक दूसरे देशों व भारत के दूसरे ले प्रधानमंत्री मोदी को मणिपुर वहां शांति स्थापित करने का। मणिपुर की जनता व विपक्ष आरोप रहा है कि प्रधान मंत्री न हीं दे रहे हैं। संघ प्रमुख ने भी इस ओर ध्यान क्योंकि मणिपुर का मामला है। मणिपुर में कुकी-जो समुदाय प्रशासन की मांग की है। इस हजारों लोगों ने चुराचांदपुर, टेंगनौपाल जिलों में रैलियां कहना है कि हिंसा प्रभावित करने के लिए उनकी मांग पर चाहिए। उन्होंने पड़ोसी देश त आवाजाही व्यवस्था को रद्द के फैसले का भी विरोध किया। साल फरवरी में भारत-स्वामार तोमीटर से अधिक क्षेत्र में बाड़ जापन चुराचांदपुर के उपायुक्त धारून कुमार के माध्यम से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को सौंपा। ईंडिजिनस ट्राइबल लीड्स फोरम (ITLF) ने इन रैलियों का आयोजन किया था। कुकी-जो समुदाय के लोगों ने चुराचांदपुर जिले में पब्लिक ग्राउंड से पीस ग्राउंड तक लगभग 3 किमी तक मार्च निकाला और 'राजनीतिक समाधान नहीं तो शांति नहीं' जैसे नारे लगाए। सैकोट से भाजपा विधायक पाओलीनलाल हाओकिप ने भी इस बात पर जोर दिया कि मणिपुर में स्थायी शांति के लिए केंद्र सरकार को मैतेई और कुकी-जो समुदायों के मुद्दों को सुलझाने में सीधे शामिल होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमने विभिन्न केंद्रीय चैनलों के माध्यम से लगातार शांति की मांग की है, फिर भी इस बारे में कोई स्पष्ट संदेश नहीं मिला है। इसके साथ ही कांगपोकपी जिले में आदिवासी एकता समिति ने थोमस ग्राउंड में एक रैली आयोजित की। इस रैली में जिले भर के कुकी-जो लोगों ने 'राजनीतिक समाधान' की वकालत करते हुए पोस्टर और बैनर प्रदर्शित किए। रैली के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए दोनों जिलों में कड़े सुरक्षा प्रबंध किए गए थे। केंद्रीय और राज्य बलों को तैनात किया गया था। इसके अतिरिक्त, कुकी इंपी टेंगनौपाल द्वारा

टेंगनौपाल जिले में भी इसी तरह की रैली आयोजित की गई। वहाँ, मैत्रेई बहुल इंफाल घाटी में सोमवार को ख्वाइरबंद इमा मार्केट की महिला विक्रेताओं के साथ नागरिकों के लिए एक गंभीर अन्याय है जो डर और अनिश्चितता में जी रहे हैं। विनोदिनी ने 14 महीने से चल रहे संकट को सुलझाने के लिए संसदीय कार्रवाई की अहम जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने

‘शांति’ के लिए ख्वाइरबंद इमा कीथेल समन्वय समिति’ के बैनर तले एक रैली भी देखी गई जिसमें हिंसा को समाप्त करने के लिए तत्काल संसदीय हस्तक्षेप की मांग की गई विरोध ख्वाइरबंद बाजार के केंद्र में शुरू हुआ, जहां सुबह-सुबह बड़ी संख्या में महिला विक्रेता एकत्र हुईं। उनकी शुरुआती योजना मणिपुर राजभवन और मुख्यमंत्री के बंगले की ओर मार्च करके अपनी मांगों के लिए दबाव बनाने की थी। हालांकि, सुरक्षा बलों ने उनके प्रयास को विफल कर दिया, जिन्होंने कंगला किले के पश्चिमी द्वार के पास विरोध प्रदर्शन को रोक दिया और प्रदर्शनकारियों को वापस ख्वाइरमबंद बाजार की ओर मोड़ दिया। इसके बाद महिला विक्रेता यहां तक चेतावनी दी कि अगर सरकार मणिपुर संकट का जल्द से जल्द समाधान नहीं निकालती है तो मणिपुर के लोग और खुद राज्य भारत से अलग हो जाएंगा।

हमने आपको हिंसा की हालिया घटनाओं के बारे में बताया। अब थोड़ा सा पीछे चलते हैं और समझते हैं कि इस हिंसा के पीछे की वजह क्या है, और इसकी शुरुआत कैसे हुई? सबसे पहले टकराव की वजह को समझ लेते हैं। और इसके लिए मणिपुर के भौगोलिक और समाजिक स्वरूप को समझना जरूरी है। भूगोल की किताबों में मणिपुर को दो हिस्सों में बांटा गया है।

सेंटल वैली यानी घाटी और पहाड़ी इलाके। मणिपुर

का जा भाड़ दिया। इसके बाद भारतीय विक्रीकार बाजार में फिर से एकत्र हुईं और अपने-अपने बाजार शेड के सामने धरना दिया। महिला विक्रीताओं ने मणिपुर की एकता और अखंडता के संरक्षण का आह्वान करते हुए कुकी-जो समुदाय द्वारा अलग प्रशासन की मांग का भी कड़ा विरोध किया। उन्होंने मैतेई वालंटियर्स को पकड़ने के उद्देश्य से सुरक्षा बलों द्वारा बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाने की कथित योजनाओं पर भी अपनी चिंता व्यक्त की। शांति समिति की सह-संयोजक हुडरेम बिनोदिनी ने विरोध के दौरान मीडिया को संबंधित किया और राज्य की मौजूदा उथल-पुथल पर मणिपुर के निर्वाचित विधायकों की चुप्पी पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि हमारे प्रतिनिधि उन लोगों के लिए आवाज उठाने में विफल रहे हैं जिनके लिए उन्हें काम करना चाहिए। उनकी चुप्पी मणिपुर के सद्गुरु लला दाना दादा जार पहाड़ी इलाका मणिपुर के 60 विधानसभा सीटों में से 40 घाटी में है। जो राजधानी इम्फाल सहित 6 जिलों में फैली है। जबकि बाकी की 20 सीटें 10 पहाड़ी जिलों में फैली हैं। घाटी राज्य के कुल क्षेत्र की महज 11 फीसद है। लेकिन 2011 की जनगणना के मुताबिक यहां राज्य की करीब 57 फीसद आबादी बसी हुई है। जिसमें मुख्यतः हिंदू बहुल मैतेई समुदाय का दबदबा है। पहाड़ी इलाकों में राज्य की 88 फीसद से ज्यादा जमीन और यहां करीब 43 फीसद आबादी की बसावट है जिसमें 33 से अधिक जनजातीय समूह शामिल हैं हालांकि इसमें मुख्य दो हैं नागा और कुकी। दोनों में इसाइयों की बहुलता है। मैतेई, नागा और कुकी, तीनों समुदायों के बीच जातीय प्रतिद्वंद्विता का लंबा इतिहास रहा है। मैतेई समुदाय, मणिपुर का सबसे बड़ा समुदाय है।

## राहुल गांधी के लिए अगले 60 महीने बड़ा अवसर

का सहमात जरूरा हाता ह। बहतर हांगा कि उन स्थानतया मैं फैसला राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर लिया जाए। राहुल गांधी को घोषित तौर पर विपक्षी गठबंधन इंडिया का नेता नहीं चुना गया था, लेकिन इसमें किसी को शक नहीं कि विपक्ष का असली चेहरा वही थे। चुनाव के दौरान विपक्ष के सारे दलों को एकजुट रखने के लिए उन्होंने भरपूर प्रयास किए। परिणामस्वरूप चुनाव का असर राहुल गांधी के पक्ष में रहा, जिसकी वजह से उन्हें नेता प्रतिपक्ष बनने का मौका मिला। नेता प्रतिपक्ष के तौर पर राहुल गांधी केवल कांग्रेस ही नहीं, उन सभी दलों का प्रतिनिधित्व करेंगे, जो इन चुनावों में सरकार के खिलाफ उतरे थे। चुनौती न केवल सदन में विपक्षी दलों की भूमिका को अधिकाधिक प्रभावी बनाने की होगी बल्कि इस प्रभाव का सही दिशा में और उपयुक्त लक्ष्यों के लिए सर्वश्रेष्ठ इस्तेमाल सुनिश्चित करने की भी है। इसमें राहुल गांधी कितने सफल होते हैं यह तो भविष्य ही बताएगा।

---

## भारतीय संसद में जय फिलीस्तीन पर विपक्ष का मौन समर्थन घातक

जहां भारत विश्व के देशों में अपनी अलग संतोष कुमार तिवारी विपक्ष ने ओवैसी के देशविरोधी नारे पर एक

संसद में लोकसभा अध्यक्ष पद के चुनाव के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी एक नए अंदाज में दिखे। उन्होंने एक बार फिर सफेद कुर्ता-पजामा पहन लिया। दाढ़ी सलीके से सेट कराई। एक रात पहले उन्हें लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष चुना गया था। अपने 20 साल लंबे राजनीतिक करियर में पहली बार राहुल गांधी कोई संवैधानिक पद संभालेंगे। चूंकि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने तीसरे कार्यकाल में पूर्ण बहुमत नहीं मिला है और वो गठबंधन की सरकार चला रहे हैं तो राहुल गांधी के पास खुद को स्थापित और सवित करने का बड़ा अवसर है।

कई बार री-लॉन्च किए जा चुके राहुल गांधी क्या नई जिम्मेदारी को बखूबी निभा पाएंगे? जिन उम्मीदों के साथ जनता ने उनकी पार्टी को 99 सीटें दी हैं, उन पर खरा उतार पाएंगे? इन सवालों के जवाब अगले कुछ महीनों में मिल जाएंगे। वर्ष 2013 में राहुल गांधी को जयपुर में कांग्रेस पार्टी के अधिवेशन में उपाध्यक्ष चुना गया था। तब उन्होंने मार्मिक भाषण दिया था और सत्ता को जहर तक बताया था। कांग्रेस ने उन्हें भविष्य के नेता के रूप में प्रोजेक्ट किया। हालांकि, कांग्रेस वर्ष 2014 में लोकसभा चुनाव में अपना सबसे न्यूनतम प्रदर्शन कर 44 सीटें पर सिमट गई थी। ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल और अरविंद केजरीवाल पंजाब में कांग्रेस के खिलाफ चुनाव लड़े। हालांकि, कांग्रेस पार्टी ने पूरे चुनाव में यह साफ कर दिया था कि उनके नेता राहुल गांधी हैं। राहुल गांधी ने भी देशभर में जमकर प्रचार किया। कांग्रेस पार्टी पिछले कुछ सालों में राहुल गांधी की जबरदस्त ब्रॉडिंग करती आई है। भारत जोड़ो यात्रा हो या भारत जोड़ो न्याय यात्रा, राहुल गांधी ने देश को दक्षिण से उत्तर और पूर्व से पश्चिम तक सङ्क रेल से नापा है। वो पिछले कुछ महीनों में सरकार के खिलाफ काफी उत्तेजित नजर आए हैं। बड़ी हुई दाढ़ी, सफेद टी-शर्ट और ब्लैक पेंट, यह उनकी पहचान बन गई थी। सफेद टी-शर्ट और ब्लैक पेंट के लिए तो उन्होंने यहां तक कहा कि मैं सदा लिबास में रहना पसंद करता हूं। इसलिए सफेद टी-शर्ट पहन लेता हूं। ये और बात है कि इस सफेद टी-शर्ट की कीमत को लेकर सत्ताधारी भाजपा के नेताओं ने राहुल गांधी पर तंज कसा, लेकिन राहुल गांधी इस बार रुकते नहीं दिखे। भले यह तथ्य सही है कि कांग्रेस ने वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में अपना तीसरा सबसे खराब प्रदर्शन किया, लेकिन राहुल गांधी के नेतृत्व में 99 सीटें लाकर कांग्रेस अपनी वापसी का डंका

ती जमीन छीनकर अपने-अपने राज्यों में खड़ी रही हैं। राहुल गांधी की असली चुनौतियां अब गुरु रही हैं। अब तक वो बिना संवैधानिक नमेदारी के राजनीति कर रहे थे। हालांकि, नके पास वर्ष 2004 से 2014 के बीच मंत्री और प्रधानमंत्री तक बनने का अवसर था, जिसे नहोने कभी स्वीकार नहीं किया, यानी वो कोई वैधानिक पद लेने से बचते रहे थे। राहुल गांधी 5 पास अगले 5 साल नरेंद्र मोदी सरकार को बदलने का अच्छा अवसर है। राहुल गांधी इस बार हल्ले से थोड़े अधिक परिपक्व नजर आ रहे हैं। लोकसभा के भीतर और बाहर वो थोड़ा फॉर्म में दखले, लेकिन कांग्रेस के राजनीतिकारों को थोड़ा अंभलकर चलना होगा, क्योंकि लोकसभा अध्यक्ष द के चुनाव को लेकर अपनी पहली परीक्षा में अंभल पार्टी कोर्ट द्वारा दैप्तिक तरी क्लोन पाया गया है।

जिन 233 सेरें के नंबर को लेकर वो प्रत्याहित है, वो गुवारा फुर्स्स न हो जाए। यदि राहुल गांधी सर्वसम्मति पर अध्यक्ष पद के लिए जान जाते तो बहुत संभव था कि डिप्टी स्पीकर न पद वो सरकार से ले लेते, लेकिन अब यह हाद मुश्किल नजर आता है।

बर राहुल गांधी केवल आरोप-प्रत्यारोप लगाकर जनीतिक खेल नहीं खेल सकते हैं। उन्हें पूरे थोंगों और नियमों के साथ सरकार को धेरना होगा। नरेंद्र मोदी सरकार का एक अल्टरनेटिव जनता के समक्ष पेश करना होगा। राहुल गांधी के पास अगले 60 महीने बहुत बड़ा अवसर होगा। यदि एनडीए गठबंधन सरकार पूरे 5 साल अपना नर्यकाल पूरा लेती है तो वर्ष 2029 में राहुल गांधी मुकाबले को बेहद दिलचस्प बना सकते हैं। डड़ा सवाल यह है कि क्या तब तक राहुल गांधी डड़ी अलायंस को एकजुट रख पाएंगे, क्योंकि धनमंत्री नरेंद्र मोदी की कोशिश यही होगी कि वपक्षी एकता में दरार पड़े। राहुल गांधी को आगे ढाता देख कांग्रेसी जमीन पर खड़ी हुई क्षेत्रीय पार्टियों का रुख क्या रहेगा? यह देखना होगा। स बार मिले अवसर को राहुल गांधी कितना जुना पाएंगे? इस पर जनता की नजर अवश्य नी रहने वाली है।

जल हा नहा जाता था हालांकि जल भजन के मामल म सात साल की सजा का नियम बरकरार है। नए अपराधों को भी नयी कोड में जगह दे दी गयी है, जैसे आंतकवाद और मोब लिंचिंग को अलग से अपराध बना दिया गया है।

प्रोसेस लॉ में एक चीज़ यह अच्छी हुई है कि अब अपराधी की गैर मौजूदगी में भी द्रायल चल सकता है अर्थात यदि आरोपी द्रायल छोड़कर भागा तो कोर्ट उसके इंतजार में रुकेगी नहीं बल्कि अगली कार्याबाही करके अपना निर्णय सुना देगी। पहले यह होता था कि आरोपी भाग जाता था और पुलिस उसे वर्षों तक नहीं पकड़ पाती थी, आरोपी को भगोड़ा धोषित करके फाइल रेकॉर्ड में भेज दी जाती थी। द्रायल चलता नहीं था लेकिन अब द्रायल चलेगा और आरोपी को उसकी गैर मौजूदगी में भी सजा हो जाएगी, फिर अपील जब तक नहीं लगेगी जब तक वह सरेंडर नहीं कर देता है।

एकसीडेंट कानूनों में भी बदलाव किया गया था लेकिन ट्रक चालकों के विरोध के चलते उसे रोक दिया गया है। हेली लाइसेंस वालों को उस कानून से छूट देकर बाकी के लिए उस कानून को लागू कर देना चाहिए। इससे सड़क दुर्घटना में काफी कमी लायी जा सकती है और साथ ही फ़ज़ी मोटर क्लेम पर भी अंकुश लगाया जा सकता है जिससे बीमा कंपनी को लगने वाले चूने से राहत मिल सकती है।



18

# भारत की जनसंख्या और विश्व-बाजार का संतुलन

भारत का वर्तमान में जनसंख्या भारी-भरकम देश चीन की जनसंख्या से भी ज्यादा हो गई है। एक अरब चालीस भारत में जनसंख्या और उन्नति बेहद ज्यादा है। विकसित तथा जनसंख्या में एक कता बाजार तलाशते हुए पूँजी भी मानकर मग्नी भारत में बेचने के बाजार में बाकत ही विकास का रुक्ति है। बहुत बड़ी साधनों को नष्ट करकी धार को कमज़ोर रखती है। यदि हम करते हैं तो देश में कमी बढ़ती महांगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार पर नियन्त्रण, आशक्षा के फलाव पर नियंत्रण, गरीब व्यक्ति को और गरीब होने से रोकने का प्रभावी तरीका तथा सांप्रदायिक दंगों पर रोक लगाई जा सकती है। कम और नियंत्रित जनसंख्या तेजी से विकास का पैमाना हो सकती है। 1951 से लेकर 81 तक भारत में जनसंख्या में जबरदस्त वृद्धि हुई है और इसे जनसंख्या विस्फोट का भी नाम दिया जा सकता है। संयुक्त राष्ट्र संघ में जनसंख्या के विभिन्न पहलुओं पर नजर रखने हेतु प्रत्येक वर्ष 11 जुलाई को जनसंख्या दिवस के रूप में पूरे विश्व में मनाया जाता है। वर्तमान जनसंख्या का विशाल स्वरूप 1981 के बाद भारत में विशालतम हो गया है और आज की जो जनसंख्या का विस्फोट उसी की परिणति है। भारत में जनसंख्या बढ़ने का प्रमुख कारण अशिक्षा, अंधविश्वास और घटटी मृत्यु दर भी है। सीमित संसाधन कमज़ोर आर्थिक व्यवस्था के कारण देश में बेरोजगारी भ्रष्टाचार गरीबी महांगाई पानी तथा बिजली की कमी बढ़ती जनसंख्या के दुष्प्रारणम हा निश्चित है यदि नियंत्रण कर ले तो यह गति को दोगुना कर विभिन्न स्वरूपों के द्वारा हम समावेशी विकास के आर्थिक विकास की आय के विस्तृत नियंत्रण सबसे गरीब और विकास को सही लाभ मिलाने की तलाशते हैं। जनसंख्या गरीबी को नीचे से उठाना का काम हमें करना चाहिए। यह जरूरी है की वर्गों जिनमें महिला एसटी, श्रमिक आदि समुचित लाभ मिलाया जाए। वाले देश के नागरिकों का आवश्यक शिक्षा कर्त्ता चाहिए। वैसे जनसंख्या विकास की समुचित विधि हमें जनसंख्या विकास के आर्थिक सुरक्षा एवं

ह। यह तो अत्यंत हम जनसंख्या पर म अपने विकास की सकते हैं। विकास के देखा जाए तो इसमें उत्तर जनित राष्ट्रीय योजन में समाज के कमजोर वर्ग के लोगों नने का नजरिया भी जनसंख्या नियंत्रण कर पर की ओर सुधारने होगा और इसके लिए कमजोर और वंचित लोगों, वृद्ध, एससी, द शामिल हैं को याचाहिए। बच्चे आने वाले के लिए उत्तित एवं सुविधा मुहैया होनी संख्या नियंत्रण ही धारा नहीं हो सकती साथ सामजिक सीमित संसाधनों के साथ तालमल बिठाकर नरतर आग बढ़ा होगा लेकिन आवश्यकता संसाधनों के उचित दोहन नीतियों एवं कार्यक्रमों की है और आवश्यकता है नवाचार एवं उचित तकनीकी प्रौद्योगिकी की भी। वर्तमान में भारत विश्व में सबसे युवा आबादी वाला देश है उसके विपरीत चीन और जापान में निरंतर जनसंख्या में वृद्धों का अनुपात बढ़ रहा है इस तरह भारत में प्रचुर मानव संसाधन के स्रोत उपलब्ध हैं जिसका सही उपयोग करके भारत अपनी आर्थिक तथा सामरिक शक्ति को अत्यंत शक्तिशाली कर सकता है, इसके विपरीत भारत में विस्तृत रूप से गरीबी, बीमारियां, बेरोजगारी, जैसी विकाराल समस्या में विद्यमान है। विश्व के कई कम आबादी वाले देश जैसे सोमालिया, लिथुआनिया आदि गरीबी, बेरोजगारी, आतंकवाद की समस्या से दो-चार हो रहे हैं और कम जनसंख्या के बावजूद विकास नहीं कर पा रहे हैं जिवैकं बहुत बड़ी जनसंख्या वाले देशों में चीन और अमेरिका विकसित राष्ट्रों की कतार म ह एवं विकास के शाश पर ह। भारत के पास सभी संसाधन और विकसित होने के सारे अवयव हैं इसके बावजूद भारत विज्ञान, टेक्नोलॉजी में काफी पीछे होकर अशिक्षा, अंधविश्वास, कृषि कार्यों का निम्न स्तर आर्थिक असमानता की समस्याएं झेल रहा है जो भारत के विकास में बाधक है। भारत में अब आज की व्यवस्था में जनसंख्या नियंत्रण तो होना ही चाहिए इसके साथ जरूरत है संसाधनों के उचित प्रयोग एवं सदुपयोग की। अब सोचने की हमारी बारी है क्या जनसंख्या नियंत्रण गरीबी दूर करने बेरोजगारी दूर करने दंगा रोकने की जिम्मेदारी सिर्फ शासन प्रशासन पर ही है, हम आम नागरिकों की कोई जिम्मेदारी नहीं बनती जबकि हम जानते हैं कि समस्याओं को उत्पन्न करने में हम ही लोग ज्यादा जिम्मेदार हैं हम लोग को यह समझना होगा कि समस्याओं से निपटने की हमारी भूमिका उतनी ही अहम है जितनी शासन-प्रशासन की।

# माता लक्ष्मी का भी हुआ था हृषि ?

इंद्र पंचांग के अनुसार माता लक्ष्मी की पूजा शुक्रवार के दिन की जाती है। इसके साथ ही कई लोग माता को प्रसन्न करने के लिए ब्रत भी करते हैं। कहते हैं कि जो लोग शुक्रवार का ब्रत रखते हैं माता उनकी हार इच्छा को पूरा करती है। लेकिन वहीं जो लोग ब्रत नहीं कर पाते हैं, वह उस दिन मां लक्ष्मी से जुड़ी कथा को पढ़ या सुन लें तो भी उन पर माता अपनी कृपा बरसाती है। चलिए देर न करते हुए आज हम आपको मां लक्ष्मी की एक ऐसी कथा के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसमें बताया गया है कि मां सीता की लक्ष्मी जी का भी हरण हुआ था। देवासुर संग्राम में देवताओं के प्राप्तित होने के बाद सभी देवगुरु बृहस्पति के पास पहुंचे। इंद्र ने देवगुरु से कहा कि असुरों के कारण हम आत्महत्या करने पर मजबूर हैं। देवगुरु सभी देवताओं को समझाया और पिर से युद्ध करने की तैयारी करने के कहा।

सभी ने फिर से युद्ध किया और हार गए। वे फिर से विष्णुरूप भगवान दत्तत्रेय के पास रहे हुए पहुंचे। वहां उनके पास माता लक्ष्मी भी बैठी थी। दत्तत्रेय उस ब्रत समाप्ति थी। तभी पछे से असुर भी वहां पहुंच गए। असुर माता लक्ष्मी को देखकर उन पर मोहित हो गए।

असुरों ने भौका देखकर लक्ष्मी का हरण कर लिया। दत्तत्रेय ने जब आंख खोली तो देवताओं ने दत्तत्रेय को हरण की बात बताई। तब दत्तत्रेय ने कहा, 'अब उनके विनाश का काल निश्चित हो गया है।' तब वे सभी कामी बनकर कमज़ोर हो गए और फिर देवताओं ने उनसे युद्ध कर उन्हें पराजित कर दिया। जब युद्ध जीतकर देवता भगवान दत्तत्रेय के पास पहुंचे तो वहां पहले से ही लक्ष्मी माता बैठी हुई थी। दत्तत्रेय ने कहा कि लक्ष्मी तो वहीं रहती है जहां शांति और प्रेम का वातावरण होता है। वह कभी भी कैसे

और हिंसकों के बहां रह सकती है? वहीं एक अन्य कथा

शुक्रवार को जरूर करें ये उपाय मां लक्ष्मी को पूजा के दौरान उभे लाल कपड़े और लाल फूल जरूर अर्पित करें। इससे मां लक्ष्मी की कृपा होगी और धर धन से भर जाएगा। शुक्रवार को पूजा के दौरान मां लक्ष्मी की प्रतिमा या फोटो के समक्ष भी का दीपक जरूर जलाएं। हर शुक्रवार को मां को प्रसन्न करने के लिए नारियल जरूर चढ़ाएं। इस नारियल को तिजोरी में रखें, ऐसा करने से धन की कमी नहीं होती है।

के अनुसार दैत्येशु शुक्रान्वार्य के शिष्य असुर श्रीदामा से सभी देवी और देवता त्रस्त हो चले थे। सभी देवता ब्रह्मदेव के साथ विष्णुजी के पास पहुंचे विष्णुजी ने श्रीदामा के अंत का आश्वासन दिया। श्रीदामा को जब यह पता चला तो वह श्रीविष्णु से युद्ध की योजना बनाने लगा। दोनों का घोर युद्ध हुआ। लेकिन श्रीदामा पर विष्णुजी के दिव्यस्त्रीं का भी कोई प्रभाव नहीं पड़ा, क्योंकि शुक्राचार्य ने उसका शरीर वज्र के समान कठोर बना दिया था। अंतः विष्णुजी के मैदान छोड़कर जाना पड़ा। इस बीच श्रीदामा ने विष्णु पत्नी लक्ष्मी का हरण कर लिया।

तब श्री विष्णु ने कैलाश पहुंचकर वहां पर भगवान शिव का पूजन किया और शिव नाम जपकर शिवसहस्रनाम स्तोत्र की रचना कर दी। जब के साथ उन्होंने विश्वरुद्धिराम की स्थापना कर 1000 ब्रह्मकमल अर्पित करने का सकलप लिया। 999 ब्रह्मकमल अर्पित करने के बाद उन्होंने देखा की एक ब्रह्मकमल कहीं लुप्त हो गया है, तब उन्होंने अपना दाहिना नेत्र निकालकर ही शिवजी को अर्पित कर दिया। यह देख शिव जी प्रकट हो गए। शिवजी ने इच्छीत वर मांगने की कहा। तब श्री विष्णु ने लक्ष्मी के अपहण की कथा सुनाई। तभी शिव की दाहिनी भूमि से महातेर चर्का सुदर्शन चक्र प्रकट हुआ। इसी सुदर्शन चक्र से भावान विष्णु ने श्रीदामा का नाश कर महालक्ष्मी को श्रीदामा से मुक्त कराया तथा देवों

को मैदान देखा की एक दैत्य श्रीदामा के भय से मुक्ति दिलाई।

इच्छीत वर मांगने की कहा। तब श्री विष्णु ने लक्ष्मी के अपहण की कथा सुनाई। तभी शिव की दाहिनी भूमि से महातेर चर्का सुदर्शन चक्र प्रकट हुआ। इसी सुदर्शन चक्र से भावान विष्णु ने श्रीदामा का नाश कर महालक्ष्मी को श्रीदामा से मुक्त कराया तथा देवों

को मैदान देखा की एक दैत्य श्रीदामा के भय से मुक्ति दिलाई।

## शिव जी और नारद मुनि की कथा की सीख

कोई बिना स्वार्थ हमें सही सलाह देता है तो उसकी बात पर ध्यान जरूर देना चाहिए



हमारे असापास कई लोग हमें समय-समय पर सलाह देते रहते हैं, हमें ऐसे लोगों को पहचानना चाहिए जो हमें निःव्याध भाव से सही सलाह देते हैं। ऐसे लोगों की बात नजर आंदोंजा नहीं करनी चाहिए। वनों हमारे नुकसान हो सकता है। ये बात शिव जी और नारद मुनि की कथा से सीख सकते हैं। पढ़िए ये कथा...

एक बार नारद मुनि ने कामदेव को पराजित कर दिया था। नारद जी को इस बात से घंटद हो गया। नारद उस राजकुमारी से विवाह करना चाहते थे। वे तुरंत ही विष्णु जी के पास पहुंच गए। नारद जी ने विष्णु पत्नी लक्ष्मी को आश्वासन दिया। लेकिन उन्होंने क्रोध किया था। नारद मुनि शिव जी से कहते हैं कि मैंने तो ब्रह्म की सुधी सुदारूप दे दीजिए, जिसे लेखुण जी ने नारद मुनि को बंदर का मुंह दे दिया।

एक बार नारद मुनि ने कामदेव को पराजित कर दिया था। नारद जी को इस बात से घंटद हो गया। वे सभी से बोल रहे थे कि मैंने कामदेव को हरा दिया है। वे खुद ही अपनी प्रसंगास कर रहे थे। उत्साह में वे कैलाश परवान शिव जी के भी पहुंच गए।

इसी रूप में नारद मुनि को सही समझ देते हैं। वह नारद मुनि का शाप भी दे दिया। बाद में जब नारद का गुस्सा शात हुआ और उन्हें पूरी बात समझ आई, तब उनका अहंकार खत्म हो गया और उन्होंने विष्णु जी से क्षमा मांगी।

कथा की सीख इस कथा में शिव जी ने नारद मुनि से जो बातें कही थीं, वह हमारे बहुत काम की हैं। शिव जी ने नारद से कहा था कि आपको घंटद नहीं करना चाहिए। शिव जी स्वयं नारद मुनि को सही सलाह दे रहे थे, लेकिन नारद ने अहंकार की बजह से उस सलाह पर ध्यान नहीं दिया। वे खिलाफ जी ने उनका अहंकार दूर किया। इससे लेखुण जी ने नारद मुनि को बंदर का मुंह दे दिया।

शिव जी की ये सलाह सुनकर नारद जी को लगा कि शिव जी को मेरी प्रसंगास अच्छी नहीं लग रही है। इसीलिए मुझे ऐसा कह रहे हैं। शिव जी के मना करने के बाद भी नारद मुनि विष्णु जी के पास पहुंच गए।

विष्णु जी नारद मुनि की बातें सुनकर समझ गए कि नारद मुनि ने कामदेव को पराजित कर दिया है। वे खिलाफ से जो बातें कही थीं, वह हमारे बहुत काम की हैं। शिव जी ने नारद से कहा था कि आपको घंटद नहीं करना चाहिए। शिव जी स्वयं नारद मुनि को सही सलाह दे रहे थे, लेकिन नारद ने अहंकार की बजह से उस सलाह पर ध्यान नहीं दिया। वे खिलाफ जी ने उनका अहंकार दूर किया। हम आप को व्यक्ति विना किसी स्वार्थ के सही सलाह दे रहा है तो हमें उसकी बात मान लेनी चाहिए और अहंकार नहीं करना चाहिए।

## शहद सेहत के साथ भाग्य भी बनाता है, देवगुरु से इसका गहरा नाता

शहद का उपयोग अधिकतर लोग करते हैं और यह लगभग सभी घरों में पाया जाता है। शहद प्राकृतिक रूप से पाया जाने वाला एक चिपचिपा और मीठा पराया होता है, जिसे मधुमिहियों द्वारा बनाया जाता है। शहद का प्रयोग वार्षिक रूप से किया जाता है। शहद का प्रयोग वार्षिक रूप से किया जाता है। विष्णु ने लक्ष्मी के अपहण की कथा सुनाई। तभी शिव की दाहिनी भूमि से महातेर चर्का सुदर्शन चक्र प्रकट हुआ। इसी सुदर्शन चक्र से भावान विष्णु ने श्रीदामा का नाश कर महालक्ष्मी को श्रीदामा से मुक्त कराया तथा देवों



ही शहद के उपयोग से कुंडली में शनि लेकर शुक्र दोष किए जा सकते हैं।

शहद के उपयोग व्यवसाय में मंदी चल रही हो तो आप शहद और दही को मिलाकर किसी नदी या तालाब में प्रवाहित कर ज्योतिष में शहद का संबंध देव गुरु वृहस्पति से बताया गया है। हालांकि सूखे और तरकी के नए मर्म खुलते हैं। इसके साथ मग्न-परिवार में कलह-कलश का माहौल बना

रहता है तो प्रतिदिन सभी सदस्य शहद का सेवन करें। ऐसा करने से पारिवारिक शांति बनी रहती है। मांगलिक दोपहर में देवर की बातें करना चाहिए।

चांदी की कटोरी में शहद भरकर पूजार्य रखें। इससे घर पर सकारात्मक ऊर्जा दें। ये बातें लेखुण जी ने उनका अहंकार दूर किया। हम आप को व्यक्ति विना किसी स्वार्थ के सही सलाह दे रहे हैं। ये बातें लेखुण जी ने उनका अहंकार दूर किया। इससे शनिवार के दिन शनि मंदिर में जाकर चढ़ा दें। इससे सादेसाती और दैद्या का प्रभाव कम होता है।

## आषाढ़ में किन दाशियों को मिलेगा भगवान विष्णु का आशीर्वाद

आषाढ़ भगवान विष्णु का प्रिय और हिंदू धर्म का महत्वपूर्ण महीना है, जिसका आगमन रविवार, 23 जून 2024 हो चुका है। आषाढ़ माह का धार्मिक और ज्योतिषीय दृष्टिकोण से काफी महत्व है। इसी के साथ आषाढ़ का मीठा ब्रह्म ऋतु के आगमन का संकेत भी होता है। इसी माह से भगवान विष्णु चार माह के लिए शयन

# बॉलीवुड में बिना गिड़गिड़ाए काम नहीं मिलता रिमी सेन



'हंगामा', 'धूम', 'दीवाने हुए पागल' और 'फिर होगा फेरी' जैसी कई हिट फिल्मों में नजर आई एक्ट्रेस रिमी सेन 13 साल से इंडस्ट्री से गायब है। हाल ही में एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने इंडस्ट्री से दूर रहने की बजाए बताई। उन्होंने कहा कि वो लगातार कॉमेडी फिल्में कर के थक गई थी। रिमी ने यह भी कहा कि बॉलीवुड में जब तक गिड़गिड़ाओं नहीं, मदद नहीं मिलती है। दूसरे लोग अपना फायदा क्यों नहीं देखें? कोई किसी को मदद करने के लिए कभी आगे आएगा?

'यहां टैलेंट स्टोर रुक जैसे पड़ा रहता है'

रिमी ने कहा, 'मैं कॉमेडी फिल्में कर-करके थक गई थी। मेरे लिए ज्यादा रोल नहीं होता करते थे। इस तरह की फिल्मों में मेरा सिर्फ़ फर्नीचर का रोल होता था। वहां 'हंगामा' और 'जॉनी गद्दार' जैसी कुछ फिल्मों में मेरा अच्छा रोल था ताकि उसमें 'जॉनी गद्दार' चली। मैं वैसा ही काम करना चाहती थी।'

'यहां सभी अपना फायदा देखकर नहर करते हैं'

कभी सलमान खान, अक्षय कुमार, अजय देवगन और जॉन अब्राहम जैसे एक्टर्स के साथ काम

कर चुकीं रिमी ने बताया कि वो इन एक्टर्स के भी संपर्क में नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'मैं किसी से मदद नहीं मांग सकती। इंडस्ट्री में जब तक गिड़गिड़ाओं नहीं, मदद नहीं मिलती है। दूसरे लोग अपना फायदा क्यों नहीं देखें? कोई किसी को मदद करने के लिए कभी आगे आएगा?

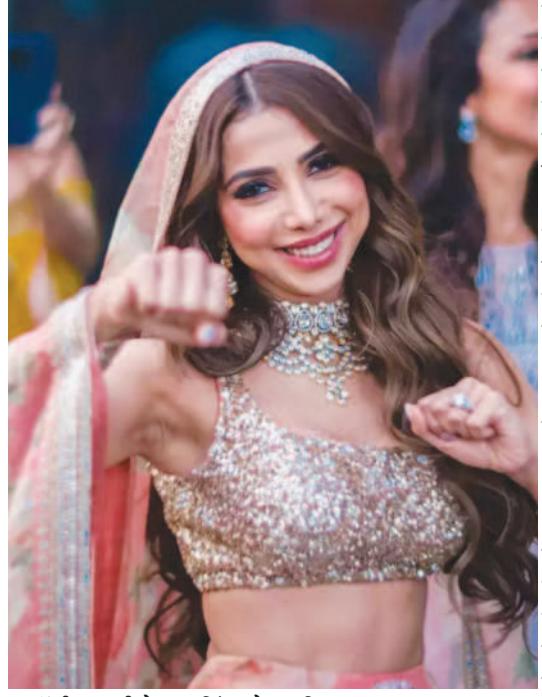
'यहां टैलेंट स्टोर रुक जैसे पड़ा रहता है'

रिमी सेन ने आगे कहा कि वह खुद की मार्केटिंग करने में बिल्कुल भी अच्छी नहीं थी। वो बोलीं—'इस इंडस्ट्री में कुछ ना कुछ दांव लगाना पड़ता है। टैलेंट बाद में आता है। आपको पहले पता होना चाहिए कि लोगों को कैसे संभालना है? वहां एक फार्माट बड़े पड़ा रहेगा स्टोर रुम में। मेरा भी पड़ा रहा क्योंकि खुद का पीआर करना नहीं आता था।'

रिमी आखिरी बार साल 2011 में रिलीज़ हुई फिल्म 'थैंक्यू' और नाना पाटकर स्टारर 'शार्गिंद' में नजर आई थीं। इसके बाद उन्होंने 2016 में फिल्म 'बुधिया सिंह' प्रोइम्यूस की पर वो भी नहीं चली।

## लगातार कॉमेडी फिल्में करके थक गई थी, अजय-अक्षय से भी संपर्क तोड़ लिया

### अरबाज खान की वाइफ शूरा ने लंदन में डांस कर दिखाया जलवा



खान की वाइफ शूरा खान भी शामिल हुईं। अमेरिकी सिंगर टेलर स्विफ्ट के परफॉर्मेंस के लिए वेम्बली स्टेडियम में एरास दूर कॉन्सर्ट में उनके फैन्स के बीच शूरा खान की अरबाज खान की नई-नवेली पल्ली शूरा खान भी शामिल हुईं। जहां एक तरफ मंच पर टेलर स्विफ्ट परफॉर्म कर रहा था वहां डास करती आँड़ियां के बीच शूरा खान भी जमकर दुमके लगाती रही। अब शूरा खान का ये डांस वीडियो खुब छाया है।

शूरा अपने डांस और टेलर के गाने में जल्दी दिख रही हैं।

अरबाज खान और शूरा ने पिछले साल 25 दिसंबर को शादी की। इसके बाद से अब शूरा जून में कैचर हुई है तो सबकी नजरों से बचने की कोशिश करती रही थी कि अरबाज का हाथ थामकर ही चलती दिखी है। लेकिन इस बार जो वीडियो सामने आया है उसमें शूरा बिंदास डांस करती दिख रही है। शूरा अपने डांस और टेलर के गाने में बिल्कुल मस्त दिख रही है।

### बॉलीवुड फिल्म 'द ब्लफ' के सेट पर हुआ हादसा, प्रियंका चोपड़ा हुई जख्मी, इसबार पैर में लगी गहरी छोट

प्रियंका चोपड़ा ने अपनी कुछ लेटेस्ट फोटो और वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किए हैं जिसमें वो बुरी तरह चोटिल दिखाई दे रही है। प्रियंका इन दिनों अपने

जिसमें उनके पैरों पर बहुत छोट के निशान

दिखाई दे रहे हैं।

प्रियंका के फिल्म के सेट पर उन्हें एक बार अपने चोटें एक्टर से

दिखाई दे रहे हैं।

उनके फिल्म के सेट पर उन्हें एक बार अपने चोटें एक्टर से

दिखाई दे रहे हैं।

प्रियंका के फिल्म के सेट पर उन्हें एक बार अपने चोटें एक्टर से दिखाई दे रहे हैं। वहां वह 33 साल के फैन रेकॉर्क्यामी मर्डर के साथ सेट से एक बिलांड के पीछे है। वहां वह 33 साल के फैन रेकॉर्क्यामी मर्डर के साथ अपने चोटें एक्टर से दिखाई दे रहे हैं।

प्रियंका के फिल्म के सेट पर उन्हें एक बार अपने चोटें एक्टर से

दिखाई दे रहे हैं।

प्रियंका के फिल्म के सेट पर उन्हें एक बार अपने चोटें एक्टर से

दिखाई दे रहे हैं।

प्रियंका के फिल्म के सेट पर उन्हें एक बार अपने चोटें एक्टर से

दिखाई दे रहे हैं।

प्रियंका के फिल्म के सेट पर उन्हें एक बार अपने चोटें एक्टर से

दिखाई दे रहे हैं।

प्रियंका के फिल्म के सेट पर उन्हें एक बार अपने चोटें एक्टर से

दिखाई दे रहे हैं।

प्रियंका के फिल्म के सेट पर उन्हें एक बार अपने चोटें एक्टर से

दिखाई दे रहे हैं।

प्रियंका के फिल्म के सेट पर उन्हें एक बार अपने चोटें एक्टर से

दिखाई दे रहे हैं।

प्रियंका के फिल्म के सेट पर उन्हें एक बार अपने चोटें एक्टर से

दिखाई दे रहे हैं।

प्रियंका के फिल्म के सेट पर उन्हें एक बार अपने चोटें एक्टर से

दिखाई दे रहे हैं।

प्रियंका के फिल्म के सेट पर उन्हें एक बार अपने चोटें एक्टर से

दिखाई दे रहे हैं।

प्रियंका के फिल्म के सेट पर उन्हें एक बार अपने चोटें एक्टर से

दिखाई दे रहे हैं।

प्रियंका के फिल्म के सेट पर उन्हें एक बार अपने चोटें एक्टर से

दिखाई दे रहे हैं।

प्रियंका के फिल्म के सेट पर उन्हें एक बार अपने चोटें एक्टर से

दिखाई दे रहे हैं।

प्रियंका के फिल्म के सेट पर उन्हें एक बार अपने चोटें एक्टर से

दिखाई दे रहे हैं।

प्रियंका के फिल्म के सेट पर उन्हें एक बार अपने चोटें एक्टर से

दिखाई दे रहे हैं।

प्रियंका के फिल्म के सेट पर उन्हें एक बार अपने चोटें एक्टर से

दिखाई दे रहे हैं।

प्रियंका के फिल्म के सेट पर उन्हें एक बार अपने चोटें एक्टर से

दिखाई दे रहे हैं।

प्रियंका के फिल्म के सेट पर उन्हें एक बार अपने चोटें एक्टर से

दिखाई दे रहे हैं।

प्रियंका के फिल्म के सेट पर उन्हें एक बार अपने चोटें एक्टर से

दिखाई दे रहे हैं।

प्रियंका के फिल्म के सेट पर उन्हें एक बार अपने चोटें एक्टर से

दिखाई दे रहे हैं।

प्रियंका के फिल्म के सेट पर उन्हें एक बार अपने चोटें एक्टर से

दिखाई दे रहे हैं।

प्रियंका के फिल्म के सेट पर उन्हें एक बार अपने चोटें एक्टर से

दिखाई दे रहे हैं।

प्रियंका के फिल्म के सेट पर उन्हें एक बार अपने चोटें एक्टर से

दिखाई दे रहे हैं।

प्रियंका के फिल्म के सेट पर उन्हें एक बार अपने चोटें एक्टर से

दिखाई दे रहे हैं।

प्रियंका के फिल्म के सेट पर उन्हें एक बार अपने चोटें एक्टर से

दिखाई दे रहे हैं।

प्रियंका के फिल्म के सेट पर उन्हें एक बार अपने चोटें एक्टर से

दिखाई दे रहे हैं।

प्रियंका के फिल्म के सेट पर उन्हें एक बार अपने चोटें एक्टर से</





जून में हजार रुपए से  
ज्यादा गिरा सोना

ये 71,730 पर आया, चांदी भी 95,500  
से फिलकर 90,000 पर आ गई

हैदराबाद, 27 जून (एजेंसियां)। सोने की कीमतों में आज यानी 27 जून को गिरावट है। 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 270 रुपए फिलकर 71,730 रुपए पर आ गया है। कल इसके दाम 72,000 रुपए प्रति दस ग्राम थे।

हालांकि एक किलो चांदी की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। ये 90,000 रुपए पर बनी हुए हैं।

इस महीने अब तक सोने की कीमत में 1,030 रुपए की गिरावट देखने को मिली है। ये 30 मई को 72,760 रुपए प्रति 10 ग्राम पर थे जो 27 जून 70,730 रुपए पर आ गया है। वहाँ चांदी भी 95,500 रुपए प्रति 10 ग्राम से फिलकर 90,000 रुपए पर आ गई है।

सोने का सही बजन और खरीदने के लिए उसको कम कह सोनेज से सोने चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है। 24 कैरेट सोने को ससरे शुद्ध सोना माना गया है।

## इंडिगो एयरलाइंस ने 17 दिन बाद दिया सामान

अब भरेगा 70,000 रुपये का हर्जाना



इंतजार करते रहे, लेकिन सामान नहीं हुआ। उनकी यात्रा का उद्देश्य विफल आया। बाद में एयरलाइन के प्रतिनिधि हो गया क्योंकि दस्तावेजों की से संपर्क पर पता चला कि उनका अनुपलब्धता के कारण उनको अधिकांश व्यावायिक बैठकें अपेक्षित थीं। उन्होंने कहा कि उन्हें डिलीवरी कर दी जायेगी। हालांकि, अपने दौरे के दौरान कपड़े और अन्य एयरलाइंस अपना वादा पूरा करने में सामान खरीदने के लिए लगभग 80,000 रुपये खर्च करने पड़े क्योंकि उन्हें इस शहर में 18 दिन का लंबा प्रवास था।

अपने बचाव में, इंडिगो ने तक दिया कि वहाँ एयरलाइन को आदेश दिया कि वह जैदी को सामान खरीदने के बदले 50,000 रुपये दें। साथ ही वह 20,000 रुपये का मुआवजा भी दे। एयरलाइन को यह भुगतान 45 दिन के अंदर करना होगा।

वाहक का दायित्व कबल तभी उत्पन्न हुआ। उनकी यात्रा का उद्देश्य विफल आया। बाद में एयरलाइन के प्रतिनिधि हो गया क्योंकि दस्तावेजों की से संपर्क पर पता चला कि उनका अनुपलब्धता के कारण उनको अधिकांश व्यावायिक बैठकें अपेक्षित थीं। उन्होंने कहा कि उन्हें डिलीवरी कर दी जायेगी। हालांकि, अपने दौरे के दौरान कपड़े और अन्य एयरलाइंस अपना वादा पूरा करने में सामान खरीदने के लिए लगभग 80,000 रुपये खर्च करने पड़े क्योंकि उन्हें इस शहर में 18 दिन का लंबा प्रवास था।

अपने बचाव में, इंडिगो ने तक दिया कि वहाँ एयरलाइन को आदेश दिया कि वह जैदी को सामान खरीदने के बदले 50,000 रुपये दें। साथ ही वह 20,000 रुपये का मुआवजा भी दे। एयरलाइन को यह भुगतान 45 दिन के अंदर करना होगा।

उन्होंने अपने व्यवसाय में नुकसान जारी किया।

सामान खरीदन में 80 हजार खर्चने पड़े

शिकायतकर्ता ने कोई मौद्रण किया कि विवरण अधिकारी ने लिए 20,000 रुपये का प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम व्यक्ति को 70,000 रुपये का

प्रैमियम











महाप्रबंधक ने काजीपेट बाईपास लाइन कार्यों और एससी-काजीपेट सेक्शन का निरीक्षण किया

- > 21.4 आरकेएमएस कार्जीपेट बाईपास लाइन का 125 करोड़ रुपये से अधिक की अनुमानित लागत से निर्माण
- > जीएम अरुण जैन ने वारंगल और कार्जीपेट स्टेशनों के विकास कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की



हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने आज काजीपेट बाईपास लाइन के चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया और काजीपेट और वारंगल पुनर्विकास कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ सिकंदराबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक भारतेश कुमार जैन और मुख्यालय के साथ-साथ मंडल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी थे। काजीपेट बाईपास लाइन ट्रेन की आवाजाही को आसान बनाने के लिए जोन द्वारा नियोजित प्रमुख बाईपास लाइनों में से एक है। काजीपेट दक्षिण मध्य रेलवे का एक प्रमुख जंक्शन स्टेशन है, जहां से यह सिकंदराबाद-नई दिल्ली, सिकंदराबाद/नई दिल्ली-चेन्नई और सिकंदराबाद-हवाड़ा के बीच ट्रेनों को जोड़ता है।

पिछले कुछ वर्षों में, इस खंड में यातायात में लगातार वृद्धि हुई है, जिससे यह खंड संतुम हो गया है। तदनुसार, इस महत्वपूर्ण खंड में ट्रेनों की आवाजाही को आसान बनाने के लिए, ट्रेनों को रोकने से बचने और ट्रेन की आवाजाही की दक्षता बढ़ाने के लिए बाईपास लाइन का काम शुरू किया गया है। तदनुसार, 125 करोड़ रुपये से अधिक की अनुमानित लागत से 21.47 मार्ग किलोमीटर की दूरी तक फैली एक बाईपास लाइन का निर्माण किया जा रहा है। इस परियोजना में एक रेल अंडर रेल (आरयूआर), 3 प्रमुख पुल और 31 छाटे पुलों का निर्माण शामिल है। एक बार पूरा हो जाने पर, यह सभी दिशाओं में, विशेष रूप से निरीक्षण के साथ शुरूआत की जिसमें उन्होंने ट्रैक, पुलों

सिंगलिंग सिस्टम के रखरखाव से संबंधित सुरक्षा पहलुओं की जांच की उन्होंने ड्यूटी पर तैनात एलपी और एलपी से बातचीत की और जोन ट्रांसो जारी नवीनतम सुरक्षा परिपत्रों पर उनके ज्ञान की जांच की। बाद में, महाप्रबंधक ने वांगल और काजिंपट रेलवे स्टेशनों के स्टेशन पुनर्विकास कार्यों का भी निरीक्षण किया।

दोनों स्टेशन अमृत भारत स्टेशन

याजना का हस्सा है और स्टेशनों को स्थानीय विकास केंद्रों के रूप में पुनर्जीवित करने के लिए सौंदर्य वास्तुकला के साथ आधुनिक यात्री सुविधाएं प्रदान करने के लिए पुनर्विकास किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को रेल यात्रियों के लाभ के लिए न्यूनतम यात्री असुविधा के साथ और निर्धारित समय सीमा के भीतर स्टेशन विकास कार्यों को पूरा करने का निर्देश दिया।

महाप्रबधक न काजापट स्टेशन पर क्रू बुकिंग लॉबी और रनिंग रूम का भी निरीक्षण किया और लोको पायलटों से बातचीत की। उन्होंने लोको रनिंग स्टाफ और गार्ड के लिए उपलब्ध सुविधाओं की जाच की और सुविधाओं को और बेहतर बनाने के लिए उनकी प्रतिक्रिया ली।

# केंद्रीय कैबिनेट सचिव ने जलशक्ति अभियान पर चर्चा की

मुख्य सचिव ने वी.सी. के जरिए भाग लिया



हैदराबाद, 27 जून  
(स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय कैबिनेट सचिव डॉ. राजीव गाबा ने गुरुवार को जलशक्ति अभियान पर सभी राज्य सरकारों के मुख्य सचिवों, राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के प्रशासकों और केंद्रीय मंत्रालयों के सचिवों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि जल संसाधनों के उपयोग और संसाधनों के विवरण की जियो-टैगिंग के लिए वैज्ञानिक योजनाएँ बनाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी उपलब्ध जल स्रोतों का विवरण भी तैयार किया जाए। उन्होंने सुझाव दिया कि रोजगार गारंटी योजना, कैपा, वित्त आयोग और अन्य योजनाओं के तहत उपलब्ध धनराशि का उपयोग जल संरक्षण कार्यक्रमों के लिए किया जा सकता है। उन्होंने आजादी का अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में पिछले साल अमृत सरोवर कार्यक्रम के तहत 75,000 से अधिक नए जल निकायों के निर्माण के लिए मुख्य सचिवों को बधाई दी। इस साल नारी शक्ति से जलशक्ति अभियान की थीम के तहत केंद्रीय कैबिनेट सचिव ने राज्यों से महिला स्वयं सहायता समूहों को शामिल करने और उन्हें जल प्रबंधन में प्रशिक्षित करने को कहा। उन्होंने पानी के उपयोग पर निर्णय लेने में महिलाओं की भूमिका बढ़ाने की आवश्यकता दोहराई। उन्होंने राज्यों से ग्रामीण और शहरी जल आपूर्ति के लिए एक व्यापक ओ एंड एम नीति बनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि उचित क्लोरीनेशन किया जाए तथा गणवत्तापर्ण पेयजल आपर्ति सुनिश्चित की जाए। अधिकारियों को वर्षा जल संरक्षण नियमों को सख्ती से लागू करने और शहरी क्षेत्रों में जल संसाधनों के अतिक्रमण पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी गई। जलशक्ति अभियान में जल स्रोतों के आधार तालाबों और पोखरों की गाद सफाई और सफाई, भूजल पुनर्भरण के लिए छाड़े गए बारबेलों का पुनर्वास, जल स्रोतों की जियो-टैगिंग, जलग्रहण क्षेत्रों में बनीकरण, छोटी नदियों के पुनरुद्धार पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। इस वीडियो कॉन्फ्रेंस में मुख्य सचिव शांति कुमारी, पचायत राज ग्रामीण विकास विभाग के प्रधान सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया, विशेष सचिव सिंचाई प्रशास्त जीवन पाटिल सहित अन्य अधिकारी शामिल रहे।

# नए पार्टी अध्यक्ष के चयन पर पार्टी हाईकमान फैसला लेगा : दीपादास मुंशी

जीवन ने कांग्रेस को मजबूत करने का वादा किया

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस एमएलसी जीवन रेड्डी ने आश्वासन दिया है कि वह तेलंगाना में कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने के लिए काम करेंगे। बीआरएस विधायक एम संजय कुमार को पार्टी में शामिल करने से नाराज जीवन रेड्डी को पार्टी हाईकमान ने नई दिल्ली बुलाया है। गुरुवार को उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी में एआईसीसी तेलंगाना प्रभारी दीपादास मुंशी, पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल, मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और अन्य नेताओं सहित पार्टी नेताओं से मुलाकात की। पार्टी नेताओं ने उन्हें मनाया और बीआरएस विधायक संजय कुमार को पार्टी में शामिल करने के कारणों को समझाया। बाद में मीडिया से बात करते हुए जीवन रेड्डी ने कहा कि केसी वेणुगोपाल ने आश्वासन दिया है कि पार्टी में शामिल लोगों को शुरू से ही प्राथमिकता और उचित सम्मान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में कांग्रेस पार्टी के विकास के लिए सभी को मिलकर काम करना चाहिए। योजनाएं लागू कर रही हैं, जो भाजपा शासित राज्यों में कहीं भी लागू नहीं हो रही हैं। वह सभी वादों को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है।

एआईसीसी तेलंगाना प्रभारी दीपादास मुंशी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी में शामिल होने वाले अन्य पार्टी नेताओं के लिए दरवाजे खुले हैं। उन्होंने कहा, हम यह सुनिश्चित करेंगे कि जो लोग शुरू से पार्टी में हैं, उनकी प्राथमिकता कम न हो।

टीपीसीसी के नए अध्यक्ष की नियुक्ति पर दीपादास मुंशी ने कहा कि तेलंगाना में नए पार्टी अध्यक्ष के चयन पर पार्टी हाईकमान फैसला लेगा। कैमरा ट्रैप में एक जंगली बिल्ली के तस्वीरें कैद हुई हैं, जिससे ग्रामीणों में राहत की भवाना है। पांच दिन पहले, बन अधिकारियों ने क्षेत्र में एक तेंदुए के धूमने के बारे में ग्रामीणों द्वारा जाता ई गई चिंताओं के बाद कैमरा ट्रैप और दो पिंजरे लगाए थे। कुछ आवारे कृत्ति और एक बछड़े का काटने से चार्ट आई और स्थानीय लोगों ने इसे तेंदुए का हमला मान लिया। इलाके की जाति करने के बाद बन अधिकारियों ने बताया कि इलाके में तेंदुए के पैरों के निशान या मल नहीं मिला हालांकि, पिछले पांच दिनों से रात बे समय गश्त बढ़ा दी गई है। एक बन अधिकारी ने कहा कि चिंकि कैमरा ट्रैप में जंगली बिल्ली की तस्वीरें कैद हुई हैं, इसलिए हम कुछ और दिनों तक गश्त जारी रखेंगे।

## आर्मी कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज में कैलिडोस्कोप का आयोजन



हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र  
वार्ता)। कैलिडोस्कोप 3.0- 26  
और 27 जून को इंडियन एकेडमी  
आफ कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री एड  
एंडोडॉन्टिक्स (आईएसीडीई) के  
सहयोग से आर्मी कॉलेज आफ  
डेंटल साइंसेज के कंजर्वेटिव  
डेंटिस्ट्री और एंडोडॉन्टिक्स विभाग  
द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय स्तर का  
सम्मेलन दक्षता, सरलता और  
विद्वत्तापूर्ण कठोरता का संगम था।  
सम्मेलन का उद्घाटन विशिष्ट मुख्य  
अतिथि, भारतीय दंत चिकित्सा  
परिषद के अध्यक्ष डॉ. टिव्हेंट

# सीएम के दौरे को लेकर मंत्रियों ने की बैठक



प्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ चर्चा हुई। मंत्री सुरेखा ने सीएम के दौरे की पृष्ठभूमि में प्रोटोकॉल की सावधानीपूर्वक निगरानी करने के ललाव अधिकारियों को बेहतर तरीके से कार्य करने का निर्देश दिया ताकि कोई कमी न रह जाए। इस कार्यक्रम में मेयर गुदू सुधारानी, विधायक काडियम श्रीहरि, नैनी राजेंदर रेड्डी, नागराजू, रेवर्ष प्रकाश रेड्डी, वारंगल, हनमकाड़ कलेक्टर सत्या शारदा देवी, प्रवीण्या, जीडब्ल्यूएमसी आयुत्त अधिनी तानाजी वाकडे और कृष्णनियमिते ने शामा नियम।

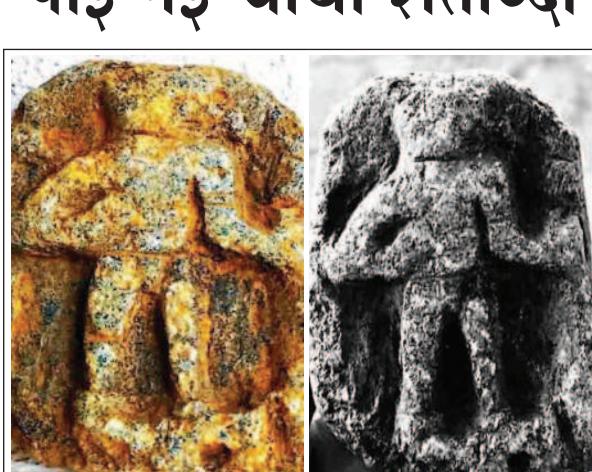
# अगस्त में खम्मम को गोदावरी जल की आपूर्ति की जाएगी : मंत्री तुम्मला

# वरिष्ठ सरकारी डॉक्टरों ने दी अनिश्चितकालीन हडताल की धमकी

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना टीचिंग गवर्नमेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (टीटीजीडीए), जिसमें सरकारी शिक्षण अस्पतालों के वरिष्ठ संकाय शामिल हैं, ने गुरुवार को राज्य सरकार को एक अल्टीमेटम जारी किया कि अगर वह नलगोंडा स्थित सरकारी जनरल और टीचिंग अस्पताल में देखभाल करने वालों पर अनावश्यक दबाव डालना जारी रखती है, तो वे अनिश्चितकालीन हड्डताल पर चले जाएंगे और सभी चिकित्सा सेवाएं बंद कर देंगे। टीटीजीडीए के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने कहा कि अगर राज्य सरकार अनावश्यक दबाव की रणनीति से दूर नहीं होती है, तो हमारे पास तेलंगाना भर के शिक्षण अस्पतालों में सभी चिकित्सा सेवाएं बंद करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा और, अगर ज़रूरत पड़ी, तो हम तेलंगाना के सभी शिक्षण अस्पतालों में बड़े पैमाने पर अनिश्चितकालीन चिकित्सा हड्डताल भी शरू करेंगे।

आनाश्वतकालान चाकत्सा हड्डिताल भा शुरू करग। विरोध स्वरूप तेलंगाना के सभी सामान्य और शिक्षण अस्पतालों के शिक्षण संकाय शुक्रवार को अपने नियमित कर्तव्यों पर रिपोर्ट करते समय काले बैज पहनेंगे। टीटीजीडीए के वरिष्ठ डॉक्टरों ने नलगोंडा के सरकारी जनरल अस्पताल में दैनिक औचक निरीक्षण की आड में जिला अधिकारियों द्वारा देखभाल करने वालों को परेशान करने का आरोप लगाया है। टीटीजीडीए ने कहा कि नलगोंडा सरकारी अस्पताल पहले से ही जनशक्ति और बुनियादी ढांचे की कमी के कारण समस्याओं का सामना कर रहा है। पहले से ही इस अस्पताल में देखभाल करने वाले लोग तनाव में हैं, जिसे जिला अधिकारियों द्वारा प्रतिदिन परेशान किए जाने से और भी बदतर बना दिया गया है। कुछ दिन पहले नलगोंडा के जिला कलेक्टर ने अस्पताल का औचक निरीक्षण किया था और उन्होंने प्रतिदिन अस्पताल की औचक जांच करने का निर्णय लिया। इसके लिए कलेक्टर ने विभिन्न विभागों के वरिष्ठ जिला स्तरीय अधिकारियों को अस्पताल का औचक निरीक्षण करने के लिए नियुक्त किया और अगस्त 2024 तक एक महीने का टाइम टेबल भी जारी किया, जिसमें निरीक्षण करने वाले जिला अधिकारियों के नाम सूचीबद्ध हैं।

**कल्पितामा में पार्ट पार्ट चौथी शतावी की वातावर्ति**



इस मूर्ति की विशेषता यह है कि किए हुए वराहमूर्ति के पैर हैं जो जाना ऐतिहासिक रूप से दृम्यमें उत्तर दिशा की ओर मग्न अविश्वसनीय है। मूर्ति की जांच महत्वपूर्ण है।

करने के बाद, स्थापति और इतिहासकार डॉ. इमानी शिवनगी रेड़ी ने कहा कि मूर्ति चौथी शताब्दी की है। श्रीरामोजू हरगोपाल ने कहा कि कोटला नरसिंहलुपल्ले में सातवाहन काल के बर्तनों के टुकड़े, नवपाषाण युग के पत्थर के कुल्हाड़ी का एक टुकड़ा और मध्यपाषाण युग के पत्थर के औजारों का एक टुकड़ा मिला है। चिन्नावराहस्वामी अर्चामूर्ति की यह मूर्ति कोंडामोटू में मिली नरसिंहस्वामी पट्टिका की याद दिलाती है और वराहमूर्ति का अब बीरपा मंदिर में पाया जाना ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण है।